SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal
"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Assistant Engineer / AEn (Rajasthan)

सहायक अभियंता राजस्थान सरकार के अभियांत्रिकी विभागों का वह राजपत्रित अधिकारी है जिसके हाथ में सरकारी निर्माण एवं अनुरक्षण का व्यावहारिक संचालन होता है। सार्वजनिक निर्माण विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, जल संसाधन विभाग तथा...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/raj-assistant-engineer

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

🙏 विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

सहायक अभियंता राजस्थान सरकार के अभियांत्रिकी विभागों का वह राजपत्रित अधिकारी है जिसके हाथ में सरकारी निर्माण एवं अनुरक्षण का व्यावहारिक संचालन होता है। सार्वजनिक निर्माण विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, जल संसाधन विभाग तथा अन्य विभागों में यह पद परियोजनाओं की अभिकल्पना एवं प्राक्कलन तैयार करना, निविदा एवं संविदा की प्रक्रिया देखना, निर्माण-कार्य की गुणवत्ता एवं प्रगति का पर्यवेक्षण, माप-पुस्तिका एवं भुगतान का सत्यापन, तथा कनिष्ठ अभियंताओं के दल का नेतृत्व करता है। जो सड़क आपके गाँव तक पहुँची, जो पाइपलाइन घर तक पानी लाई, और जो नहर खेत तक — उनके पीछे किसी सहायक अभियंता की तकनीकी स्वीकृति एवं देखरेख होती है। भर्ती एक ही संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा से होती है, जिसमें सिविल, विद्युत, यांत्रिक एवं कृषि — चारों शाखाओं के अभियंता अपनी-अपनी शाखा को वैकल्पिक विषय के रूप में लेकर बैठते हैं।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	सम्बन्धित शाखा (सिविल, विद्युत, यांत्रिक अथवा कृषि अभियांत्रिकी) में अभियांत्रिकी की स्नातक उपाधि — विस्तृत शब्दावली उसी चक्र की विज्ञप्ति में देखें
भर्ती संस्था	राजस्थान लोक सेवा आयोग (आर.पी.एस.सी.), अजमेर — संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा द्वारा
आयु-सीमा	21 से 40 वर्ष (सेवा नियम 1991) — आरक्षित वर्ग एवं महिला अभ्यर्थियों को ऊपरी आयु-सीमा में छूट मिलती है (विवरण नीचे)
आरंभिक वेतन	पे मैट्रिक्स स्तर सेवा नियमों में नहीं दिया — विज्ञप्ति देखें
माँग	दो चरणों की परीक्षा — प्रारंभिक वस्तुनिष्ठ (केवल छँटनी हेतु), मुख्य परीक्षा वर्णनात्मक

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- निर्माण, संरचना एवं मशीनों में रुचि — यह देखना कि चीज़ें कैसे बनती और चलती हैं
- क्षेत्र में जाकर काम देखना, केवल कार्यालय में बैठकर नहीं

- सार्वजनिक अवसंरचना — सड़क, पेयजल, नहर एवं भवन

क्षमताएँ

- गणितीय एवं तकनीकी क्षमता, तथा प्राक्कलन में सटीकता — यहाँ एक गलती सार्वजनिक धन की गलती होती है
- दबाव में भी तकनीकी निर्णय पर टिके रहना
- दल का नेतृत्व एवं ठेकेदारों से व्यावहारिक व्यवहार

ज़रूरी कौशल

- अभिकल्पना, आरेखन एवं प्राक्कलन तैयार करना
- निर्माण-सामग्री की जाँच एवं गुणवत्ता नियंत्रण
- परियोजना प्रबंधन एवं समय-सीमा का पालन
- निविदा, संविदा एवं वित्तीय नियमों की समझ
- माप-पुस्तिका, अभिलेख एवं भुगतान का सत्यापन
- सम्बन्धित सॉफ़्टवेयर — ऑटोकैड, स्टैड प्रो अथवा शाखा-विशेष उपकरण

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 12 विज्ञान वर्ग से भौतिकी, रसायन एवं गणित (पी.सी.एम.) के साथ उत्तीर्ण करें।
2. चार वर्ष की बी.ई. अथवा बी.टेक. करें — सिविल, विद्युत, यांत्रिक अथवा कृषि अभियांत्रिकी में। इनमें से जो शाखा आप चुनेंगे वही आगे मुख्य परीक्षा में आपका वैकल्पिक विषय बनेगी, इसलिए यह चुनाव स्नातक स्तर पर ही तय हो जाता है।
3. प्रवेश जे.ई.ई. मेन अथवा राजस्थान की आर.ई.ए.पी. प्रक्रिया से होता है। राजकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय का शुल्क निजी की तुलना में बहुत कम है, इसलिए कक्षा 12 के बाद की मेहनत यहाँ सीधे पैसे में बदलती है।
4. डिप्लोमा वाले विद्यार्थियों के लिए ध्यान देने की बात: तीन वर्ष का पॉलिटेक्निक डिप्लोमा कनिष्ठ अभियंता (जे.ई.एन.) तक ले जाता है, सहायक अभियंता तक नहीं। सहायक अभियंता के लिए डिग्री आवश्यक है। डिप्लोमा के बाद पार्श्व प्रवेश (लेटरल एंट्री) से बी.टेक. के दूसरे वर्ष में प्रवेश लिया जा सकता है, और यह वह रास्ता है जिससे कई कनिष्ठ अभियंता आगे इस पद तक पहुँचते हैं।
5. आयु 21 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए, और आर.पी.एस.सी. की संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा की विज्ञप्ति आने पर आवेदन करें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- भर्ती एक संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा से होती है जो दो क्रमिक चरणों में होती है, और इन दोनों चरणों का स्वरूप एक-दूसरे से भिन्न है — यह बात इस परीक्षा की सबसे महत्त्वपूर्ण विशेषता है। प्रारंभिक परीक्षा वस्तुनिष्ठ (ऑब्जेक्टिव) होती है: एक अनिवार्य एवं एक वैकल्पिक प्रश्न-पत्र, कुल 400 अंक। यह केवल छँटनी की परीक्षा है — इसके अंक अंतिम मेरिट में नहीं जुड़ते।
- मुख्य परीक्षा वर्णनात्मक (कन्वेंशनल) होती है, वस्तुनिष्ठ नहीं। प्रत्येक प्रश्न-पत्र तीन घंटे का होता है। इसमें दो अनिवार्य प्रश्न-पत्र हैं — प्रश्न-पत्र I हिंदी, 100 अंक, तथा प्रश्न-पत्र II अभियांत्रिकी के सामाजिक पक्ष (Social aspects of Engineering), 100 अंक — और इनके साथ कोई एक वैकल्पिक विषय, जिसके दो प्रश्न-पत्र 200-200 अंक के होते हैं। इस ढाँचे का सीधा अर्थ यह है कि तैयारी दो अलग-अलग प्रकार की करनी पड़ती है: प्रारंभिक के लिए वस्तुनिष्ठ अभ्यास, और मुख्य के लिए लिखकर उत्तर देने का अभ्यास। बहुत-से अभ्यर्थी प्रारंभिक की तैयारी के ढंग से ही मुख्य में बैठ जाते हैं और वहीं चूक जाते हैं।
- अनिवार्य प्रश्न-पत्र I का हिंदी होना विशेष ध्यान माँगता है, क्योंकि यह वह बात है जिसकी अभियांत्रिकी का विद्यार्थी अपेक्षा नहीं करता। यह 100 अंकों का प्रश्न-पत्र है — उतना ही जितना उसके साथ वाला अभियांत्रिकी-सम्बन्धी प्रश्न-पत्र। चार वर्ष अंग्रेज़ी माध्यम में तकनीकी पढ़ाई करने के बाद हिंदी में लिखने का अभ्यास छूट जाता है, और उसे विज्ञप्ति आने के बाद लौटाना कठिन होता है। इसे तैयारी की योजना में आरंभ से रखें, अंत में नहीं।
- वैकल्पिक विषय चार हैं — सिविल अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी, यांत्रिक अभियांत्रिकी, तथा कृषि अभियांत्रिकी। कृषि अभियांत्रिकी को 6.03.2013 के आदेश से जोड़ा गया, अर्थात् वह बाद में जुड़ा विकल्प है। आप वही विषय लेते हैं जिसमें आपकी डिग्री है, इसलिए यह चुनाव वास्तव में स्नातक स्तर पर हो चुका होता है।

- एक चेतावनी जो पुरानी सामग्री पढ़ते समय काम आएगी: 1991 के नियमों के दस्तावेज़ में परीक्षा की एक पुरानी योजना भी उद्धृत है — दो सामान्य प्रश्न-पत्र 200-200 अंक के तथा तीन वैकल्पिक विषय — जो अब प्रतिस्थापित हो चुकी है। वह पाठ दस्तावेज़ में विस्तार से दिखता है और इसी कारण भ्रामक है। ऊपर दी गई योजना वर्तमान में लागू है। किसी भी स्थिति में अंतिम प्रमाण उसी चक्र की विज्ञप्ति होती है — आवेदन से पहले उसे स्वयं पढ़ें।
- ऊपरी आयु-सीमा में छूट — अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; सामान्य वर्ग की महिला अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; तथा इन्हीं वर्गों की महिला अभ्यर्थियों को 10 वर्ष। इसका सीधा अर्थ यह है कि किसी पद के आगे लिखी बिना छूट वाली आयु किसी आरक्षित वर्ग की महिला के लिए दस वर्ष कम बताती है — यदि आप उस श्रेणी में हैं तो अपनी पात्रता छूट जोड़कर ही तय करें। राजस्थान में सीधी भर्ती में महिला अभ्यर्थियों के लिए 30% पद श्रेणीवार आरक्षित रहते हैं। विधवा एवं परित्यक्ता (तलाकशुदा) महिला अभ्यर्थियों के लिए कोई ऊपरी आयु-सीमा नहीं — नियमों में यही शब्द हैं। राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा (संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा द्वारा सीधी भर्ती) नियम, 1999 के नियम 13(9) में, तथा राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधीनस्थ सेवा नियमों के इसी परंतुक में यह प्रावधान दर्ज है, और आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्तियाँ भी इसे दोहराती हैं। विधवा को सक्षम अधिकारी से पति का मृत्यु प्रमाण-पत्र और परित्यक्ता को तलाक का प्रमाण देना होता है। छूट एवं आरक्षण की सटीक शर्तें उसी भर्ती की विज्ञप्ति में दी जाती हैं।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- MNIT Jaipur — B.Tech. in Civil, Electrical and Mechanical Engineering — जयपुर, राजस्थान (https://mnit.ac.in/)
- Rajasthan Technical University and the government engineering colleges affiliated to it — कोटा, तथा अजमेर, बीकानेर, भरतपुर, बाँसवाड़ा एवं अन्य ज़िले (https://www.rtu.ac.in/)
- College of Technology and Engineering, Udaipur — including Agriculture Engineering, the fourth optional subject — उदयपुर, राजस्थान (https://www.mpuat.ac.in/)
- Government polytechnic colleges — the diploma route, which leads to Junior Engineer and then to a B.Tech. by lateral entry — राजस्थान के अनेक ज़िलों में (https://dte.rajasthan.gov.in/)

ऑनलाइन

- जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, राजस्थान — सहायक अभियंता के बड़े नियोक्ता विभागों में से एक (https://phedwater.rajasthan.gov.in/)
- जल संसाधन विभाग, राजस्थान — नहर, बाँध एवं सिंचाई-कार्यों का विभाग (https://water.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) एवं एन.पी.टी.ई.एल. — अभियांत्रिकी के निःशुल्क पाठ्यक्रम, आई.आई.टी. के प्राध्यापकों द्वारा — भारत सरकार (https://nptel.ac.in/)

- आर.एस.एस.बी. — पिछले प्रश्न-पत्र, उत्तर कुंजी व पाठ्यक्रम (निःशुल्क) — राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक साइट — तैयारी के लिए सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://rsmssb.rajasthan.gov.in/show_archived?menuName=Xj4lCb9vGxpQnfLs%2FxlZ2g%3D%3D)
- विभागीय सेवा नियम (कार्मिक विभाग) — पद की योग्यता व आयु मूल दस्तावेज़ में पढ़ें — कार्मिक विभाग हर संवर्ग के सेवा नियम प्रकाशित करता है। किसी भी कोचिंग सामग्री से पहले यही पढ़ें — योग्यता, आयु और भर्ती की विधि यहीं तय होती है। (https://dop.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

लागत का सबसे बड़ा निर्णय कक्षा 12 के बाद होता है और वह महाविद्यालय का चुनाव है। राजकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय अथवा एम.एन.आई.टी. में चार वर्ष की बी.टेक. का शुल्क निजी महाविद्यालय की तुलना में कई गुना कम पड़ता है, और प्रवेश जे.ई.ई. मेन अथवा आर.ई.ए.पी. के अंकों पर होता है — इसलिए यहाँ मेहनत सीधे पैसे की बचत बन जाती है। जिन परिवारों के लिए निजी महाविद्यालय का शुल्क भारी है, उनके लिए एक व्यावहारिक क्रम यह है: पॉलिटेक्निक डिप्लोमा (जो सस्ता है और स्वयं कनिष्ठ अभियंता तक ले जाता है), फिर पार्श्व प्रवेश से राजकीय महाविद्यालय में बी.टेक. — इस क्रम में डिग्री भी हो जाती है और बीच में रोज़गार की एक सीढ़ी भी बनी रहती है। तैयारी के लिए महँगी कोचिंग आवश्यक नहीं है: वैकल्पिक विषय वही है जो चार वर्ष पढ़ा है, एन.पी.टी.ई.एल. पर आई.आई.टी. के पाठ्यक्रम निःशुल्क हैं, और हिंदी के अनिवार्य प्रश्न-पत्र के लिए जो चाहिए वह अभ्यास है, शुल्क नहीं। अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं ई.डब्ल्यू.एस. के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति एवं शुल्क-पुनर्भरण की योजनाएँ लागू होती हैं।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)
- Rajasthan Social Justice and Empowerment Dept scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study scholarship search (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

सार्वजनिक निर्माण विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, जल संसाधन विभाग एवं अन्य अभियांत्रिकी विभागों के उपखंड कार्यालय — प्रायः तहसील एवं ज़िला स्तर पर। काम कार्यालय एवं निर्माण-स्थल के बीच बँटा रहता है।

कार्य-संस्कृति

सहायक अभियंता का पद तकनीकी होते हुए भी प्रशासनिक है, और यह बात पहले से जान लेनी चाहिए। दिन का एक हिस्सा निर्माण-स्थल पर जाता है और दूसरा फ़ाइल, प्राक्कलन, निविदा एवं भुगतान पर। ठेकेदारों, जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय लोगों से निरंतर व्यवहार करना पड़ता है, और यहीं इस पद की सबसे बड़ी परीक्षा है: गुणवत्ता के मानक पर टिके रहना, जबकि काम जल्दी निपटाने और सुविधाजनक ढंग से निपटाने का दबाव कई दिशाओं से आता है। जो हस्ताक्षर आप माप-पुस्तिका पर करते हैं वह सार्वजनिक धन का प्रमाणपत्र होता है और वर्षों बाद भी जाँच के दायरे में आ सकता है — इसलिए अभिलेख की सफ़ाई इस पद पर तकनीकी कौशल जितनी ही महत्त्वपूर्ण है। तैनाती प्रायः छोटे शहरों एवं कस्बों में होती है और स्थानांतरण इस सेवा का सामान्य हिस्सा है। इसके बदले में जो मिलता है वह ठोस है: आपके हस्ताक्षर से बनी सड़क, नहर अथवा पाइपलाइन ज़मीन पर दिखाई देती है और दशकों चलती है।

कौन नौकरी देता है

- सार्वजनिक निर्माण विभाग (पी.डब्ल्यू.डी.), राजस्थान
- जल संसाधन विभाग एवं सिंचाई परियोजनाएँ
- जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पी.एच.ई.डी.)
- नगरीय विकास, स्वायत्त शासन एवं ग्रामीण विकास विभागों की अभियांत्रिकी शाखाएँ

माँग (2026)

राजस्थान क्षेत्रफल में देश का सबसे बड़ा राज्य है और यहाँ सड़क, पेयजल, नहर एवं भवन का काम निरंतर चलता रहता है, इसलिए अभियांत्रिकी संवर्ग की आवश्यकता स्थायी है — विशेष रूप से जल से जुड़े विभागों में, जहाँ इस राज्य की भौगोलिक स्थिति काम को कभी समाप्त नहीं होने देती। साथ में तीन बातें ईमानदारी से जान लेनी चाहिए। पहली, यह भर्ती हर वर्ष नहीं आती और रिक्तियों की संख्या चक्र-दर-चक्र बहुत बदलती है। दूसरी, प्रतिस्पर्धा वास्तविक है, क्योंकि राज्य में हर वर्ष निकलने वाले अभियांत्रिकी स्नातकों की संख्या इन पदों से कहीं अधिक है। तीसरी, सरकार का बहुत-सा निर्माण-कार्य ठेके पर कराया जाता है, इसलिए काम की मात्रा बढ़ने का अर्थ यह नहीं कि स्थायी पद उसी अनुपात में बढ़ेंगे। इसके विरुद्ध एक सुविधा यह है कि वही डिग्री कनिष्ठ अभियंता, सार्वजनिक उपक्रमों (जैसे विद्युत निगम), गेट एवं केंद्रीय अभियांत्रिकी सेवाओं, तथा निजी क्षेत्र में भी चलती है — तैयारी करते हुए विकल्प संकुचित नहीं होते। पदों की संख्या विभाग की आवश्यकता बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. कनिष्ठ अभियंता (जे.ई.एन.) — डिप्लोमा अथवा डिग्री से अलग भर्ती; यह सहायक अभियंता का अधीनस्थ पद है और पदोन्नति का एक मार्ग भी
2. सहायक अभियंता — संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा से सीधी भर्ती, राजपत्रित स्तर का प्रवेश-पद
3. अधिशासी अभियंता — उपखंड से खंड स्तर पर, अनुभव पर पदोन्नति द्वारा
4. अधीक्षण अभियंता — वृत्त स्तर का पर्यवेक्षण

5 मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त मुख्य अभियंता — विभाग की अभियांत्रिकी शाखा का शीर्ष

कमाई

शुरुआत	विज्ञप्ति में घोषित पे मैट्रिक्स स्तर के अनुसार
मध्य स्तर	₹65,000 – ₹85,000 (भत्तों सहित, कुछ वर्षों बाद)
वरिष्ठ स्तर	₹1,00,000 से अधिक (भत्तों सहित, अधीक्षण अभियंता एवं उससे ऊपर)

1991 के सेवा नियमों की जो प्रति पढ़ी गई उसमें पे मैट्रिक्स का स्तर नहीं दिया गया, इसलिए आरंभिक वेतन इस पृष्ठ पर आँकड़े के रूप में नहीं लिखा गया — वह उसी चक्र की विज्ञप्ति में मिलेगा। यह राजपत्रित स्तर का प्रवेश-पद है और अभियांत्रिकी की डिग्री माँगता है, इसलिए इसका वेतनमान कनिष्ठ अभियंता से ऊपर रहता है। ऊपर दिए मध्य एवं वरिष्ठ स्तर के आँकड़े अनुमानित हैं और किसी आधिकारिक दस्तावेज़ से पुष्ट नहीं; उन्हें दिशा समझें, वचन नहीं। शुरुआती वेतन का आँकड़ा मूल वेतन है, ताकि इसे दूसरे करियर के साथ सीधे तुलना किया जा सके। इस पर महँगाई भत्ता (1 जनवरी 2026 से मूल वेतन का 60%) एवं मकान किराया भत्ता अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इससे काफ़ी अधिक होती है। मध्य-स्तर व वरिष्ठ स्तर के आँकड़े भत्तों सहित अनुमानित मासिक आय हैं, मूल वेतन नहीं। ध्यान दें — राजस्थान में सीधी भर्ती से लगे कर्मचारी पहले 2 वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी रहते हैं और इस अवधि में वेतनमान नहीं, बल्कि एक नियत पारिश्रमिक मिलता है; इन दो वर्षों में महँगाई भत्ता व मकान किराया भत्ता देय नहीं होते (राजस्थान सेवा नियम, नियम 7(30क))। पूरा वेतनमान परिवीक्षा पूरी होने के बाद लागू होता है। इस पद का पे मैट्रिक्स स्तर इस पृष्ठ पर आधिकारिक दस्तावेज़ से पुष्ट नहीं किया जा सका — न सेवा नियमों में, न सी.ई.टी. नियम 2022 की अनुसूची में। इसलिए यहाँ कोई स्तर नहीं लिखा गया है। सही आँकड़ा उस भर्ती की आधिकारिक विज्ञप्ति में दिया जाता है; आवेदन से पहले उसे अवश्य देखें। ऊपर दिए गए आँकड़े राजस्थान के सातवें वेतन मैट्रिक्स पर आधारित हैं, जो 17 अगस्त 2026 तक लागू है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की शर्तें 28 अक्टूबर 2025 को स्वीकृत हुई थीं और आयोग को गठन से 18 माह के भीतर सिफ़ारिशें देनी हैं। राज्य सरकारें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफ़ारिशें आमतौर पर कुछ संशोधनों के साथ, और कुछ देर से, लागू करती हैं — इसलिए राजस्थान का वेतनमान भी आगे संशोधित होगा, यद्यपि कब और कितना, यह अभी तय नहीं है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- राजपत्रित स्तर का प्रवेश-पद — अभियांत्रिकी की डिग्री पर सीधे अधिकारी श्रेणी में प्रवेश
- काम ज़मीन पर दिखता है और दशकों चलता है
- चारों शाखाओं — सिविल, विद्युत, यांत्रिक एवं कृषि — के अभियंताओं के लिए एक ही परीक्षा
- वही डिग्री कनिष्ठ अभियंता, सार्वजनिक उपक्रमों, गेट एवं निजी क्षेत्र में भी चलती है

चुनौतियाँ

- मुख्य परीक्षा वर्णनात्मक है जबकि प्रारंभिक वस्तुनिष्ठ — तैयारी दो अलग ढंग की करनी पड़ती है
- अनिवार्य प्रश्न-पत्र I हिंदी का है, जिसकी अपेक्षा अभियांत्रिकी का विद्यार्थी नहीं करता
- ठेकेदारों एवं समय-सीमा का दबाव, और गुणवत्ता पर टिके रहने की निरंतर परीक्षा
- तैनाती प्रायः छोटे कस्बों में, और स्थानांतरण सेवा का सामान्य हिस्सा

9 स्रोत व आगे पढ़ें

1. कार्मिक विभाग, राजस्थान — राजस्थान राज्य अभियांत्रिकी सेवा (सीधी भर्ती द्वारा संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा) नियम, 1991 — https://dop.rajasthan.gov.in/writereaddata/modulCategory/202406210510158541006stateengineering1991_merged(1).pdf

2. राजस्थान लोक सेवा आयोग — विज्ञप्तियाँ — https://rpsc.rajasthan.gov.in/advertisements

3. आर.पी.एस.सी. — सहायक अभियंता भर्ती विज्ञप्ति — https://rpsc.rajasthan.gov.in/Static/RecruitmentAdvertisements/B4D63B24BC9945BCBB5B7060F679AA38.pdf

4. जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, राजस्थान — https://phedwater.rajasthan.gov.in/

5. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आधिकारिक) — https://rssb.rajasthan.gov.in/

6. कार्मिक विभाग, राजस्थान — सेवा नियम — https://dop.rajasthan.gov.in/

7. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in